2020 में नए स्वरूप में दिखेगा भिंडी बाजार

देश का पहला क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट

250 इमारतें जर्जर अवस्था में

20,000 लोग होंगे लाभान्वित

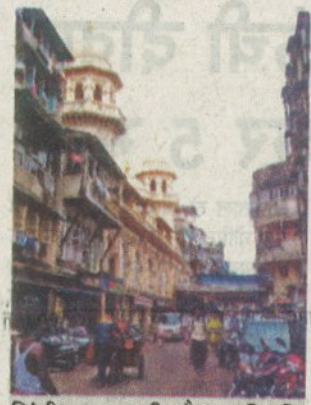

भिंडी बाजार की मौजूदा स्थिति

प्रस्तावित स्वरूप

विष्णु भारद्वाज

मुंबई. दक्षिण मुंबई के पुराने इलाकों में से एक भिंडी बाजार 5 साल बाद नए स्वरूप में नजर आएगा. साथ ही यह देश का पहला क्लस्टर रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट होगा. करीब 100 साल पुराने बसे भिंडी बाजार का पुनर्निर्माण कर रहा सैफी बुरहानी अपलिफ्टमेंट ट्रस्ट (एसबीयूटी) तैयारी में जोर-शोर से जुटा हुआ है और ट्रस्ट ने 2020 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा है. पुनर्निर्माण परियोजना को सैफी बुरहानी अपलिफ्टमेंट प्रोजेक्ट (एसबीयूपी) नाम दिया गया है.

ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अब्बास मास्टर ने 'नवभारत' से बातचीत में कहा कि हमें प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार से अन्य सभी आवश्यक मंजूरी मिल चुकी है. अब मुंबई मनपा के पास निर्माण स्वीकृति (सी.सी.) के लिए अगले दो माह में आवेदन किया जाएगा. वर्ष की अंतिम तिमाही में प्रोजेक्ट पर निर्माण कार्य शुरू हो जाने की उम्मीद है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रोजेक्ट में व्यक्तिगत रुचि दिखाई है और हरसंभव सहयोग का वादा किया है. पिछले दिनों पीएम और सीएम प्रोजेक्ट का अवलोकन कर चुके हैं. पीएम चाहते हैं कि यह प्रोजेक्ट जल्द शुरू हो और सफल हो, ताकि इसकी तर्ज पर मुंबई के साथ दिल्ली और कोलकाता के पुराने इलाकों का भी क्लस्टर डेवलपमेंट किया जाए.

मास्टर ने बताया कि प्रोजेक्ट के सफल बनाने के लिए हमने पूरी तैयारी की है. प्रोजेक्ट के लिए विश्वप्रसिद्ध शिल्पकार नियुक्त किए गए हैं. मांडवीवाला कुतुब एंड एसोसिएट्स मुख्य आर्किटेक्ट तथा पार्किंस ईस्टमैन इंटरनेशनल (न्यूयार्क) सलाहकार आर्किटेक्ट रखे गए हैं. करीब 16.5 एकड़ में फैले भिंडी बाजार में 3200 परिवार और 1250 छोटे व्यवसायी रहते हैं, जो यहां की तंग व बदबूदार गलियों और 250 जर्जर इमारतों में बुनियादी सुविधाओं के अभाव से त्रस्त हैं. यहां 70 प्रतिशत से अधिक परिवार 300 वर्गमीटर से छोटे घरों में कठिनाइयों भरी जिंदगी जीने को मजबूर हैं.

यहां के 20,000 रहवासियों की दयनीय स्थिति को देख दाऊदी बोहरा समुदाय के धर्मगुरु डॉ. सैयदना मोहम्मद बुरहानुद्दीन ने भिंडी बाजार के रिडेवलपमेंट की पहल की. उनका सपना था कि भिंडी बाजार के रहवासियों का उत्थान हों और वे भी स्वच्छ वातावरण में एक बेहतर व खुशहाल जिंदगी जी सकें. अब यह प्रोजेक्ट उनके पुत्र व समुदाय के 53वें धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के नेतृत्व में आगे बढ़ाया जा रहा है.

17 नए टावर बनेंगे

- मास्टर ने कहा कि पुरानी इमारतों के रिडेवलपमेंट में केवल लोगों का थोड़ा बड़ा घर मिलता है, परंतु बुनियादी सुविधाओं में कोई खास सुधार नहीं आ पाता है, लेकिन क्लस्टर डेवलपमेंट में बड़ा घर तो मिलता है.
- साथ ही सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ पूरे इलाके को नया स्वरूप दिया जाना है. ट्रस्ट यहां पुनर्निर्माण में चौड़ी सड़कें, हरियाली युक्त खुली जगह, प्ले ग्राउंड और अन्य सुविधाएं बनाएगा. रैनवाटर हार्वेस्टिंग और सौर ऊर्जा सिस्टम भी लगाने की योजना है.
- इसी कारण इंडियन ग्रीन बिल्डिंग कौंसिल ने इस प्रोजेक्ट को ग्रीन गोल्ड रेटिंग प्रदान की है. क्लस्टर डेवलपमेंट के तहत यहां 11 से 70 मंजिली 17 आवासीय व वाणिज्यिक इमारतें बनाई जाएंगी. जिसमें से 80 प्रतिशत रहवासियों को दी जाएगी और शेष 20 प्रतिशत बिकी कर प्रोजेक्ट का खर्च निकाला जाएगा. यह प्रोजेक्ट 'नो प्रॉफिट-नो लॉस' के कांसेप्ट पर बनाया जा रहा है.

1600 परिवार ट्रांजिट कैम्प में शिफ्ट

मास्टर ने बताया कि पुनर्निर्माण के दौरान लोगों को तकलीफ न आए, उन्हें सुविधा रहें. इसके लिए 3 किमी. की दूरी पर ही स्थित अंजीरवाड़ी, मझगांव और घोड़पदेव में ट्रांजिट कैंप बनाए गए हैं. जिनमें 1600 परिवार शिफ्ट हो चुके हैं. उन्हें आवश्यक सुविधाओं वाले घर दिए गए हैं तथा हर परिवार को वाशिंग मशीन, बिजली तथा मेंटनेंस निःशुल्क हैं. इसके अलावा व्यवसायियों के लिए उमरखाड़ी में आधुनिक शॉपिंग काम्प्लेक्स मुफदल शॉपिंग आर्केड बनाया गया है, जिसमें करीब 150 व्यवसायी तो शिफ्ट हो चुके हैं.